



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 9]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 11, 1993/वैशाख 21, 1914

No. 9]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 11, 1993/PAUSA 21, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(सड़क परिवहन प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1993

सा. का. नि. 10 (अ).—मोटर यान पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट (नियम, 1992 का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988) 1988 का 59 की धारा 88 की उपधारा (9) के साथ पठित उपधारा (14) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 212 की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती कि उक्त प्रारूप पर, उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है, जनता को उपलब्ध करा दी जाएं, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उक्त अवधि की समाप्ति के पहले उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मोटर यान (पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट) नियम, 1992 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा स्पष्टित न हो :—

(क) “अधिनियम” से मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) अभिप्रेत है;

(ख) “प्राधिकार प्रमाणपत्र” से किसी समुचित प्राधिकारी द्वारा किसी मान्यताप्राप्त पर्यटक परिवहन ऑपरेटर को जारी किया गया ऐसा प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो उसे सम्पूर्ण भारत क्षेत्र में या तीन से अधिक ऐसे समीपस्थ राज्यों में जिनमें वह राज्य भी सम्मिलित है, जिसके लिए परमिट जारी किया गया है, ऐसे मान्यताप्राप्त परिपथों पर जैसे कि उसे किसी मोटर यान के लिए मंजूर किए गए परमिट में विनिर्दिष्ट है, यान चलाने के लिए प्राधिकृत करता है;

(ग) “समुचित प्राधिकारी” से ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जिसे अधिनियम के अधीन पर्यटन यानों की वाहत परमिट मंजूर करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;

(घ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;

(ङ) “अनुसूची” से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;

(च) “पर्यटक परिवहन ऑपरेटर” से पर्यटन परिपथों पर पर्यटन के सर्वोत्तम के कारवार में लगी हुई भारत सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा मान्यताप्राप्त कोई कंपनी या लगा हुआ कोई व्यक्ति अभिप्रेत है।

3. प्राधिकार प्रमाणपत्र केन्द्रीय सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा मान्यताप्राप्त किसी पर्यटक परिवहन ऑपरेटर को मंजूर किया जाएगा।

4. प्राधिकार प्रमाणपत्र का प्रारूप, विषय वस्तु और कागजात, आदि :—(1) प्राधिकार प्रमाणपत्र मंजूर के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र सम्बद्ध राज्य परिवहन प्राधिकरण को, पहली अनुसूची में दिए गए प्रारूप में किया जाएगा।

(2) प्रत्येक प्राधिकार प्रमाणपत्र दूसरी अनुसूची में दिए गए प्रारूप में होगा।

(3) प्राधिकार प्रमाणपत्र की विधिमान्य अवधि एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(4) प्राधिकार प्रमाणपत्र का नवीकरण उसके पर्यवेक्षण की तारीख से पन्द्रह दिन पूर्व आवेदन किए जाने पर किया जाएगा।

5. प्राधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने और उसे मंजूर करने की प्रक्रिया :—

(1) प्राधिकार प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किसी भी कार्यदिवस को सम्बद्ध राज्य परिवहन प्राधिकरण को किया जा सकता है।

(2) प्राधिकार प्रमाणपत्र मंजूर किए जाने के लिए किए गए आवेदन को इन नियमों के अधीन कोई राज्य परिवहन प्राधिकरण नामंजूर नहीं करेगा।

(3) परिवहन प्राधिकरण, उपधारा (1) के अधीन किए गए आवेदन को लिखत में अभिविहित किए जाने वाले उचित और पर्याप्त कारणों के आधार पर या यदि प्राधिकारी का राय में इससे धारा 74 (3) के अनुसार प्राधिकार प्रमाणपत्र की समिति संख्या में वृद्धि हो जाएगी तो वह नामंजूर कर सकेगा।

परन्तु यह कि प्राधिकार प्रमाणपत्र के लिए किया गया आवेदन, राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा आवेदन पत्र किए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर मंजूर या नामंजूर कर सकेगा।

6. परमिट का अंतरण :—(1) उपनियम (2) में अन्यथा उल्लिखित के सिवाय, प्राधिकार प्रमाणपत्र, उस राज्य परिवहन प्राधिकरण की अनुज्ञा के सिवाय, जिसने प्राधिकार प्रमाणपत्र दिया है, एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को अंतरणीय नहीं होगा और ऐसी अनुज्ञा के बिना ऐसे किसी व्यक्ति को, जिसे प्राधिकार प्रमाणपत्र के अंतर्गत आने वाला यान अंतरित किया गया है, उस यान का प्राधिकार प्रमाणपत्र द्वारा प्राधिकृत रीति में प्रयोग करने का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा।

(2) जहां प्राधिकार प्रमाणपत्र के धारक की मृत्यु हो जाती है, वहां प्राधिकार प्रमाणपत्र के अंतर्गत आने वाले यान का कब्जा लेने वाला अगला व्यक्ति प्राधिकार प्रमाणपत्र का प्रयोग तीन मास की अवधि के लिए इस प्रकार कर सकेगा मानो वह उसे दिया गया था :

परन्तु ऐसे व्यक्ति ने धारक की मृत्यु के तीस दिन के भीतर उस राज्य परिवहन प्राधिकरण को, जिसने प्राधिकार प्रमाणपत्र दिया था, धारक की मृत्यु और प्राधिकार प्रमाणपत्र का प्रयोग करने के अपने आशय की सूचना दे दी हो :

परन्तु यह और कि किसी प्राधिकार प्रमाणपत्र का, उस तारीख के पश्चात्, जिसको वह मृतक धारक के पास प्रवृत्त न रहा होता, उसके नवीकरण किए जाने के सिवाय इस प्रकार प्रयोग नहीं किया जाएगा :

(3) राज्य परिवहन प्राधिकरण, किसी प्राधिकरण प्रमाणपत्र के धारक की मृत्यु के तीन मास के भीतर उसे आवेदन किए जाने पर, उक्त प्रमाणपत्र, प्राधिकार प्रमाणपत्र के अंतर्गत आने वाले यान का कब्जा लेने वाले अगले व्यक्ति को अंतरित कर सकेगा :

परन्तु राज्य परिवहन प्राधिकरण, तीन मास की उस अवधि की समाप्ति के पश्चात् किए गए आवेदन को ग्रहण कर मकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदक को उचित और पर्याप्त कारण से विनिर्दिष्ट समय के भीतर आवेदन करने से निवारित किया गया था।

7. यान का बदला जाना :—प्राधिकार प्रमाणपत्र का धारक, उस राज्य परिवहन प्राधिकरण की अनुज्ञा से, जिसने प्राधिकार प्रमाणपत्र दिया था, प्राधिकरण प्रमाणपत्र के अंतर्गत आने वाले किसी यान को उसी प्रकृति के किसी अन्य यान से बदल सकेगा।

8. अपील :—(3) कोई व्यक्ति, जो :—

(क) राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा प्राधिकार प्रमाणपत्र दिए जाने से इन्कार करने या उसे दिए गए प्राधिकार प्रमाणपत्र की किसी शर्त से व्यथित है, या

(ख) प्राधिकार प्रमाणपत्र के प्रतिसंहरण या निलंबन के आदेश से या उसको शर्तों से किए गए किसी फेरफार से व्यथित है, या

(ग) इन नियमों के नियम 6 या धारा 82 के अधीन प्राधिकार प्रमाणपत्र अंतरित करने से इन्कार करने वाले आदेश से व्यथित है,

(घ) राज्य परिवहन प्राधिकरण के प्राधिकार प्रमाणपत्र को प्रतिहस्ताक्षरित करने से इन्कार करने वाले आदेश से या ऐसे प्रतिहस्ताक्षर की किसी शर्त से व्यथित है, या

(ङ) प्राधिकार प्रमाणपत्र का नवीकरण करने से इन्कार करने वाले आदेश से व्यथित है, या

(च) किए गए ऐसे किसी अन्य आदेश से व्यथित है, उस तारीख से जिसको उक्त आदेश आवेदक को संपुचित किया जाता है, तीस दिन की अवधि के भीतर, मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 89 की उपधारा (2) के अधीन गठित राज्य परिवहन अपील अधिकरण को अपील कर सकेगा जो ऐसे व्यक्ति और राज्य परिवहन प्राधिकरण को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उसका विनिश्चय करेगा, जो कि अंतिम होगा।

9. प्राधिकरण फीस :—प्राधिकार प्रमाणपत्र देने के लिए फीस 500 रु. प्रति वर्ष होगी और प्राधिकार प्रमाणपत्र देने या उसके नवीकरण के लिए किए गए प्रत्येक आवेदन के साथ संपुचित प्राधिकारी के पक्ष में उक्त रकम का एक बैंक ड्राफ्ट लगाया जाएगा।

10. बैठने की क्षमता :—पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट केवल ऐसे यानों की बाबत दिया जाएगा, जिसकी बैठने की क्षमता ड्राइवर और कंडक्टर की सीट को छोड़कर, 35 सीटों से अधिक न हो। केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 128 के उपबंध, उक्त नियम के उपनियम (11) को छोड़कर, पर्यटन यानों को भी लागू होंगे।

11. पर्यटक कोच की समयावधि :—पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों के लिए अखिल भारतीय परमिट उस तारीख से अविधिमान्य समझा जाएगा जिसको उक्त परमिट के अंतर्गत आने वाला यान, मोटर टैक्सी को दशा में सात वर्ष और मोटर टैक्सी से किसी यान की दशा में पांच वर्ष पूरे कर लेता है।

स्पष्टीकरण :—इन नियम के प्रयोजनार्थ सात या पांच वर्ष की अवधि की संगणना संबंधित पर्यटन यान के आरंभिक रजिस्ट्रीकरण की तारीख से की जाएगी।

12. मोटर यान पर प्रदर्शित की जाने वाली सुमेदक

विशिष्टियां :—इन नियमों के अधीन दिए गए प्राधिकार प्रमाणपत्र के अंतर्गत आने वाले मोटर यान या मोटर टैक्सी को सफेद रंग से पेंट किया जाएगा और यान के दोनों ओर बाड़ी के बहिर्भाग के मध्य में 5 सेंटीमीटर चौड़ी नीले रंग की एक पट्टी होगी, और 60 सेंटीमीटर व्यास वाले वृत्त के भीतर “पर्यटक” शब्द लिखा जाएगा। परमिट धारक, मोटर टैक्सी से भिन्न पर्यटन यान के सामने ऊपरी भाग में, पीले रंग का एक बोर्ड भी प्रदर्शित करेगा, जिस पर काले रंग में, यह “अंतरालेखन” अनुमोदित पर्यटक परिवहन ऑपरेटर संख्या

“अंग्रेजी और हिन्दी में, और यदि परमिट धारक ऐसा चाहता है तो अपने राज्य की प्रदेशिक भाषा में भी होगी तथा उपाबंध सं. 1 में विनिर्दिष्ट “मोटर” का चिह्न (लगा होगा)।

13. पर्यटकों की सूची :—पर्यटक परिवहन ऑपरेटर के लिए अखिल भारतीय परमिट के अधीन चलने वाले, मोटर टैक्सी से भिन्न किसी पर्यटन यान में सभी समयों पर प्रत्येक ट्रिप की बाबत पर्यटक यात्रियों की एक सूची होगा और अधिनियम का केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के द्वारा या उनके अधीन दस्तावेज पेश करने की मांग करने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर वह सूची प्रस्तुत की जाएगी।

14. अखिल भारतीय पर्यटक परमिट धारक द्वारा फाइल की जाने वाली त्रैमासिक विवरणी;

अखिल भारतीय पर्यटक परमिट धारक, इन नियमों के अंतर्गत आने वाले मोटर यान की बाबत राज्य के समुचित प्राधिकारी को, जिसने अखिल भारतीय परमिट जारी किया है, तीसरी अनुसूची में दिए गए प्ररूप में त्रैमासिक विवरणी फाइल करेगा और उक्त प्राधिकारी उसकी प्रतियां आगे अन्य संबंधित राज्यों के समुचित प्राधिकारियों को भेजेगा।

15. मान्यता प्रमाणपत्र :—(1) मान्यता प्रमाणपत्र के लिए पात्रता शर्तें वे होंगी जो चौथी अनुसूची में दी गई है।

(2) पर्यटन विभाग, भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले मान्यता प्रमाणपत्र के लिए प्रत्येक आवेदन, पर्यटन मन्त्रालय, पर्यटन विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली-1 को पांचवीं अनुसूची में विहित प्ररूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) मान्यता प्रमाणपत्र छठी अनुसूची में विहित प्ररूप में दिया जाएगा।

[फाइल सं. आर टी-11053/1/92-एम वी एन
जी. के मिश्र, संयुक्त सचिव]

पहली अनुसूची

[नियम 4(1) देखिए]

प्राधिकार प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए आवेदन का प्ररूप

सेवा में

राज्य परिवहन प्राधिकरण

मैं/हम अधोहस्ताक्षरी भारत के संपूर्ण राज्य क्षेत्र/.....

(यां उन राज्यों के नाम लिखें जहाँ लागू होगा)

राज्य में विभिन्न प्राधिकार प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए आवेदन करता हूँ/करने हैं :

1. आवेदक (आवेदकों) का पूरा नाम
(उपनाम यदि कोई हो से प्रारंभ करें)
2. पिता या पति का नाम
(व्यक्ति की दशा में)
3. पूरा पता
4. मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण चिन्ह
5. मोटर यान का इंजन संख्यांक
6. मोटर यान का चैसिस संख्यांक
7. मोटर यान का मूल परमिट संख्यांक
8. मोटर यान का परमिट जारी करने वाला प्राधिकारी
9. मोटर यान का मेक

10. मोटर यान का रजिस्ट्रीकृत लदान भार
11. मोटर यान का अरजिस्ट्रीकृत लदान भार
12. पर्यटन विभाग, भारत सरकार द्वारा दिए गए मान्यता प्रमाण पत्र की विशिष्टियां (प्रति संलग्न करें)
13. मोटर यान के विनिर्माण का वर्ष
14. वह अवधि जिसके लिए प्राधिकार चाहिए.....से.....तक।
मैं/हम प्राधिकार फीस के संदाय के लिए बैंक ड्राफ्ट संलग्न कर रहा हूँ/कर रहे हैं :—

| राज्य का नाम | संदत्त रकम | बैंक ड्राफ्ट की विशिष्टियां और तारीख | संदाय की तारीख |
|--------------|------------|--------------------------------------|----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | | | |
| 2 | | | |
| 3 | | | |
| 4 | | | |
| 5 | | | |

तारीख

आवेदक (आवेदकों) के
हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान

*जो लागू न हो उसे काट दें।

दूसरी अनुसूची
[नियम 4(2) देखिए]
प्राधिकार प्रमाणपत्र

यह प्राधिकार प्रमाणपत्र.....राज्यों में
(नीचे दिए गए मान्यता प्राप्त पर्यटन सर्किटों पर)

सर्वत्र विधिमान्य है।

1. पूरा नाम
(उपनाम यदि कोई हो, से प्रारंभ करें)
2. अखिल भारतीय पर्यटक परिवहन परमिट के धारक का पूरा पता
3. मोटर यान रजिस्ट्रीकरण चिन्ह
4. मोटर यान का इंजन संख्यांक
5. मोटर यान का चैसिस संख्यांक
6. मोटर यान का मोटर संख्यांक
7. परमिट जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम
8. मोटर यान का मेक
9. मोटर यान का रजिस्ट्रीकृत लदान भार
10. मोटर यान का लदान रहित भार
11. मोटर यान के विनिर्माण का वर्ष

12. प्राधिकार प्रमाणपत्र की विधि मान्यता की अवधि से तक।
(समुचित प्राधिकारी की मुद्रा)

समुचित प्राधिकारी के हस्ताक्षर

प्राधिकार फीम के संदाय का प्रमाणपत्र

| क्रम सं. | राज्य का नाम | संदत रकम | बैंक ड्राफ्ट की विशिष्टियां और तारीख | संदाय की तारीख | वह अवधि जिनके लिए संदाय किया गया है |
|----------|--------------|----------|--------------------------------------|----------------|-------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | | | | | |
| 2 | | | | | |
| 3 | | | | | |
| 4 | | | | | |

समुचित प्राधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा

तीसरी अनुसूची
(नियम 14 देखिए)
त्रैमासिक विवरणी

- परमिट धारक का नाम और पूरा पता
- मोटर वाहन का रजिस्ट्रीकरण चिन्ह
- पर्यटन मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा पर्यटक परिवहन आपरेटर के लिए दिए गए अखिल भारतीय परमिट का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक।

तीन मास के दौरान की गई ट्रिपों का संक्षिप्त व्यौरा

| मास | *राज्य में तय की गई कुल दूरी | चलाने की कुल दूरी | टिप्पणियां |
|-----|------------------------------|-------------------|------------|
|-----|------------------------------|-------------------|------------|

अखिल भारतीय परमिट धारक के
हस्ताक्षर
तारीख

*उन राज्यों के नाम लिखें जिन्हें लागू हो।

टिप्पणी:—टिप्पणियों वाले स्तम्भ में किसी विशेष राज्य या राज्यों में कम या अधिक मात्रा के कारणों और ऐसे अन्य कारणों का उल्लेख करें जिनसे यात्रा कम हुई।

चौथी अनुसूची

अनुमोदित पर्यटन आपरेटर के रूप में मान्यता का प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए पात्रता की शर्तें।

[नियम 15 (1) देखिए]

- मान्यता के लिए सभी आवेदन पत्र, महानिरीक्षक पर्यटन, ट्रांसपोर्ट भवन, संख्या 1, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को भेजे जाएंगे।
- पर्यटन विभाग द्वारा मान्यता प्रदान करने के लिए निम्नलिखित शर्तें पर्यटन आपरेटर द्वारा पूरी की जानी चाहिए :
(i) मान्यता के प्रदान किए जाने के लिए आवेदन पत्र अविहित प्रारूप में होगा।

- (ii) पर्यटन आपरेटर के पास न्यूनतम 1.00 लाख रुपए की समावृत्त पूंजी होनी चाहिए, जो कि नवीनतम संपरीक्षित तुलन पत्र/चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाणपत्र द्वारा प्रमाणित हो ।
- (iii) फर्म द्वारा विदेशी मुद्रा या भारतीय रुपए में पर्यटन आपरेटर से आवृत्त न्यूनतम 5.00 लाख रु. होना चाहिए जो कि चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाणपत्र द्वारा प्रमाणित हो ।
- (iv) पर्यटन आपरेटर का एक ऐसा कार्यालय होगा जो कि उसके कर्मचारिवृन्द के पूर्णकालिक सदस्य के प्रभार में अधीन होगा जो परिवहन, निर्वास-स्थान, करेंसी, सीमा-शुल्क विनियमों और यात्रा के संबंध में सामान्य जारी और पर्यटन से संबंधित सेवाओं में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित/अनुभवी है ।
- (v) आवेदन की तारीख से पहले पर्यटन आपरेटर कम से कम एक वर्ष तक परिचालन में रहा हो ।
- (vi) पर्यटन आपरेटर को आय-कर निर्धारित होना आवश्यक है और वह चालू निर्धारण वर्ष के लिए आयकर विवरणी फाइल कर चुका हो ।

3. पर्यटन आपरेटर के रूप में एक बार प्रदान की गयी मान्यता तब तक जारी रहेगी जब तक इस व्यापार में उनकी निरंतरता आयकर की वार्षिक विवरणी और अन्य विशिष्टियां प्रस्तुत करने के अधीन रहते वापस नहीं ले ली जाती है ।

4. मान्यता के लिए आवेदन करते समय पर्यटन आपरेटर से एक बार में 1000 रु. की अप्रतिदेय फीस का संदाय करने की अपेक्षा की जाएगी । फीस बैंक ड्राफ्ट के रूप में वेतन और लेखा अधिकारी, पर्यटन विभाग को संदेय की जाएगी । प्रत्येक शाखा कार्यालय की फीस 500 रु. होगी ।

5. पर्यटन आपरेटरों के मुख्यालयों को मान्यता प्रदान की जाएगी । शाखा कार्यालयों को या पश्चात्पूर्ति रूप से मुख्यालय कार्यालयों के साथ मान्यता प्रदान की जाएगी परंतु यह तब जबकि शाखा कार्यालयों की विशिष्टियां पर्यटन विभाग को प्रस्तुत की जाती है और विभाग द्वारा स्वीकार कर ली जाती है ।

6. मान्यता के मामले में पर्यटन विभाग, भारत सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा । भारत सरकार अपने विवेकानुसार किसी फर्म की मान्यता देने से इंकार कर सकेगी या पहले से प्रदान की गई मान्यता को किसी समय बिना किसी कारण बताए वापस ले सकेगी या रोक सकेगी ।

7. मान्यता प्राप्त पर्यटन आपरेटर, सरकार द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले प्रोत्साहन और रियायतों के हकदार होंगे और पर्यटन विभाग, भारत सरकार द्वारा मान्यता के लिए समय-समय पर निर्धारित निबंधनों और शर्तों का पालन करने के लिए बाध्य होगा ।

पांचवीं अनुसूची

अनुमोदित पर्यटन आपरेटर के रूप में मान्यता के लिए आवेदन का प्रारूप

[देखिए नियम 15 (2)]

1. मुख्यालय और शाखा कार्यालयों के नाम और पते
2. फर्म की प्रकृति और वर्ष जब फर्म का रजिस्ट्रीकरण किया गया था या कारबार प्रारंभ किया था (दस्तावेजी सबूत सहित)
3. निदेशकों/भागीदारों आदि के नाम अन्य कारबार में उनके हितों के ब्यौरे, यदि कोई हो उपदर्शित किए जा सकते हैं ।
4. नियोजित कर्मचारिवृन्द की विशिष्टियां, उनकी अर्हताएं, अनुभव, वेतन और फर्म में सेवाकाल ।
5. बैंककारों के नाम (कृपया अपने बैंककारों से एक प्रतिनिर्देश संलग्न कीजिए)
6. लेखा परीक्षकों के नाम, कंपनी विधि के अधीन विहित दूर प्रचालन कारबार से संबंधित तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि के विवरण प्रत्येक आवेदनकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए जाने चाहिए । ये लेखा परीक्षित विवरण अंतिम समाप्त हुए वित्तीय वर्ष या अपने

आवेदन के प्रस्तुत किए जाने की तारीख के ठीक पूर्व के कलेंडर वर्ष के लिए आपके कारबार के संबंध में होने चाहिए । निम्नलिखित विवरण में अपने व्यापारवर्त का ब्यौरे भी प्रस्तुत कीजिए :-

संबंधित ट्वा आपरेटर का नाम और विशिष्टियां

- (क) समादत्त पूंजी
- (ख) ऋण
 - (i) प्रभूत
 - (ii) अप्रतिभूत
- (ग) आरक्षित
- (घ) चालू दायित्व और उपबंध
- (ङ) कुल
- (च) स्थिर आस्तियां (अमूर्त आस्तियां को अपवर्जित करते हुए)
- (छ) विनिधान
- (ज) चालू आस्तियां
- (झ) अमूर्त आस्तियां
- (ञ) कुल-----

- टिप्पण: (i) आरक्षित में लाभ और हानि के लेखा का अतिशेष सम्मिलित होगा और आरक्षित कराधान अपवर्जित होगा ।
- (ii) चालू दायित्व और उपबंध में आरक्षित कराधान सम्मिलित होगा ।
- (iii) चालू आस्तियों में अन्यान्य ऋण, ऋण और अग्रिम, नकद और बैंक अतिशेष सम्मिलित है ।
- (iv) अमूर्त आस्तियों में गुडविल, प्रारंभिक व्यय, अग्रिधारण और कारबार अधिकार, आस्थगित राजस्व व्यय, संचित हानि आदि सम्मिलित हैं ।
7. चालू निर्धारण वर्ष के लिए आयकर विवरणी के संबंध में अभिस्वीकृति के प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न होनी चाहिए ।
8. पर्यटन परिचालन के अतिरिक्त फर्म द्वारा किए जाने वाले अन्य क्रियाकलाप ।
9. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन संगठनों का सदस्य ।
10. (क) आवेदन की तारीख तक पर्यटक यातायात की संख्या के ब्यौरे दीजिए जिसमें विदेश और अंतर्देशीय पर्यटन यातायात को पृथक रूप से दर्शित किया गया हो । कृपया चार्टर्ड एकाउंटेंट से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करें । इस प्रमाणपत्र में पर्यटन आपरेटर से केवल वित्तीय वर्ष या आपके आवेदन के प्रस्तुत करने की तारीख के ठीक पूर्व के कलेंडर वर्ष का दौरान प्राप्त रसीदें दर्शित होनी चाहिए ।
- (ख) ग्राहक : यदि किन्हीं विशेष पर्यटन समूहों का संचालन किया हो तो उनकी संख्याएं आवृत्ति आदि ।
- (ग) देशी पर्यटन यातायात के संवर्धन के लिए उठाए गए कदम और समूहों के संचालन के ब्यौरे यदि कोई हो ।
- (घ) विदेशी पर्यटकों के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम, यदि कोई हो ।
11. उन सम्मेलनों की संख्या यदि कोई हो जिनमें कार्य किया हो और स्थानों आदि के ब्यौरे सहित ऐसे सम्मेलनों के कुल पत्रियों की संख्या ।
12. किए गए प्रोत्साहन पर्यटनों की संख्या ।
13. कृपया मान्यता के लिए मुख्यालय के लिए 1000 रु. और प्रत्येक शाखा कार्यालय के लिए 500 रु. का डिमांड ड्राफ्ट फीस के रूप में संलग्न कीजिए और इस स्तम्भ में डिमांड ड्राफ्ट संख्या, तारीख और राशि का उल्लेख करें ।

स्वामी/भागीदार/प्रबंध

निदेशक के हस्ताक्षर

फर्म की रबर की मोहर

छठी अनुसूची

[दिखिए नियम 15 (3)]

मान्यता का प्रमाण-पत्र

संख्या— तारीख— प्रमाणित किया जाता है कि—
 (अनुमोदित पर्यटक यातायात आपरेटर का नाम और पता) को पर्यटन
 विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा एक अनुमोदित पर्यटन यातायात आपरेटर के रूप में मान्यता दी जाती है।
 स्थान— महानिदेशक (पर्यटन)

उपाबन्ध सं.-1



MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Road Transport Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th January, 1993.

G.S.R. 10 (E) :—The following draft of the Motor Vehicles (All India permit for Tourist Transport Operators) Rules, 1992 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (14) read with sub-section (9), of section 88 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 212 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty five days from the date on which the copies of the Gazette of India, in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestion, which may be received from any person with respect to the said draft rule before the expiry of the said period, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short Title, Extent and Commencement :—

- (1) These rules may be called the Motor Vehicles (All India permit for Tourist Transport Operators) Rules, 1992.
- (2) They shall extend to the whole of India.
- (3) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. Definition : In these Rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) “Act” means the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) “Authorisation Certificate” means a certificate issued by an appropriate authority to a recognised Tourist Transport Operator authorising him to operate throughout the territory of India or in such contiguous States, not being less than three in number including the State in which the permit is issued, on recognised tourist circuits as are specified in the All India Permit for a tourist vehicle granted to him;
- (c) “appropriate authority” means the authority which is authorised under the Act to grant a permit in respect of tourist vehicles;
- (d) “section” means section of the Act;
- (e) “Schedule” means a Schedule appended to these rules;
- (f) “Tourist Transport Operator” means a company or an individual engaged in the business of promotion of tourism on tourist circuits, recognised by the Department of Tourism of the Government of India.

3. Authorisation Certificate shall be granted only to a Tourist Transport Operator recognised by the Department of Tourism of the Central Government.

4. Form, Contents and Duration etc. of the Authorisation Certificate :—

- (1) Every application for the grant of an Authorisation Certificate shall be made to the concerned State Transport Authority, in the Form as set forth in the First Schedule.
- (2) Every Authorisation Certificate shall be in the Form as set forth in the Second Schedule.
- (3) The period of validity of an Authorisation Certificate shall not exceed one year at a time.
- (4) The Authorisation certificate may be renewed on an application made not less than fifteen days before the date of its expiry.

5. Procedure of applying for and grant of Authorisation certificate :—

- (1) An application for an Authorisation Certificate may be made on any working day to the State Transport Authority concerned.
- (2) A State Transport Authority shall not ordinarily refuse to grant an Authorisation Certificate applied for under these rules.
- (3) Transport Authority may reject the application made under sub-rule (1) for good and sufficient reasons to be recorded in writing, or in case Authority is of the opinion that this would have the effect of increasing the number of Authorisation Certificates limited in terms of section 74(3):

Provided, that the Authorisation Certificate applied for shall be granted or refused within a period of thirty days from the date of receipt of application by the State Transport Authority.

6. Transfer of Permit : (1) Save as otherwise provided in sub-rule (2), an Authorisation Certificate shall not be transferable from one person to another except with the permission of the State Transport Authority which granted the Authorisation Certificate and shall not without such permission operate to confer on a person to whom a vehicle covered by the Authorisation Certificate is transferred, any right to use that vehicle in the manner authorised by the Authorisation Certificate.

(2) Where the holder of an Authorisation Certificate dies, the person succeeding to the possession of the vehicle covered by the Authorisation Certificate may, for a period of 3 months, use the Authorisation Certificate of the death of the holder and of his own intention to use the Authorisation Certificate :

Provided further that no Authorisation Certificate shall be so used, except after its renewal after the date on which it would have ceased to be effective in the hands of the deceased holder.

(3) The State Transport Authority may, on an application made to it within three months of the death of the holder of an Authorisation Certificate, transfer the said certificate to the person succeeding to the possession of the vehicle covered by the Authorisation Certificate :

Provided that the State Transport Authority may entertain an application made after the expiry of the said period of three months if it is satisfied that the applicant was prevented for good and sufficient cause from making an application within the specified time.

7. Replacement of vehicles.—The holder of an Authorisation Certificate may, with the permission of the State Transport Authority by which the Authorisation Certificate was granted, replace any vehicle covered by the Authorisation Certificate by any other vehicle of the same nature.

8. Appeals—(1) Any person,—

- (a) aggrieved by the refusal of the State Transport Authority to grant an Authorisation Certificate or by any condition attached to an Authorisation Certificate granted to him; or
- (b) aggrieved by the order of revocation or suspension of the Authorisation Certificate or by any variation of the conditions thereof; or
- (c) aggrieved by the order of refusal to transfer the Authorisation Certificate under rule 6 of these rules or section 82; or
- (d) aggrieved by the order of refusal of the State Transport Authority to countersign an Authorisation Certificate, or by any condition attached to such countersignature; or
- (e) aggrieved by the order of refusal to renew an Authorisation Certificate; or
- (f) aggrieved by any other order which may be made;

may within a period of thirty days from the date on which the said order is communicated to the applicant appeal to the State Transport Appellate Tribunal constituted under Sub-section (2) of section 89 of the Motor Vehicles Act, 1988, who shall after giving such person and the State Transport Authority an opportunity of being heard give a decision thereon, which shall be final.

9. Authorisation Fee —The fee for the grant of an Authorisation Certificate shall be Rs. 500/- per annum and every application for the grant or renewal of the same shall be accompanied by a bank draft for the said amount in favour of the appropriate authority.

10. Seating Capacity—An All India permit for Tourist Transport operators shall be granted only in respect of vehicles with a seating capacity of not more than 35 seats, excluding the driver and the conductor. Provision of rule 128 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989, except for sub-rule (11) of the said Rules shall also apply to the tourist vehicles.

11. Age of the Tourist Coaches—An All India Permit for Tourist Transport Operators shall be deemed to be invalid from the date on which the vehicle covered by the said permit completes 7 years, in the case of motor cab and 5 years in the case of a vehicle other than a motor cab.

Explanation For the purpose of this rule, the period of seven or five years shall be computed from the date of initial registration of the tourist vehicle concerned.

12. Distinguishing Particulars to be Exhibited on Motor Vehicle—A motor vehicle or motor cab covered under the Authorisation Certificate granted under these rules shall be painted in white colour with a blue ribbon of 5 centimetres with at the centre of the exterior of the body on both sides of the vehicles, and the word 'Tourist' shall be painted inside a circle of 60 centimetres diameter. The permit holder shall also display in the front top of the tourist vehicle, other than a motor cab, a board in yellow colour with letters in black colour with the inscription "Approved Tourist Transport Operator No" in English and Hindi, and also the permit holder so prefers, in the regional language of the Home State, with the logo 'Peacock', as specified in the Annexure No. 1.

13. List of Tourists:—A tourist vehicle, other than a motor cab, plying under an All India Permit for a Tourist Transport Operator shall at all times carry a list of tourist-passengers in respect of each trip, and the list shall be produced on demand by the officers authorised to demand production of documents by or under the Act or the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

14. Quarterly Return to be Filed by an All India Tourist Permit Holder—An All India Tourist Permit holder shall file a quarterly return, in respect of the motor vehicle covered by these rules, in the Form set forth in the Third Schedule to the appropriate authority of the State by which the All India Permit is issued and the said authority, in turn, shall forward copies thereof to the appropriate authorities of the other States concerned.

15. Certificate of Recognition—(1) The eligibility conditions for a Certificate of Recognition shall be as set forth in the Fourth Schedule.

(2) Every application for a Certificate of Recognition by the Department of Tourism, Government of India, shall be submitted in the Form prescribed in the Fifth Schedule to the Director General of Tourism, Department of Tourism, Government of India, New Delhi-1.

(3) The Certificate of Recognition shall be granted in the Form prescribed in the Sixth Schedule.

[F. No. RT-11053/1/92-MVL]

G. K. PILLAI, Jt. Secy.

THE FIRST SCHEDULE

[See Rule 4(i)]

FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF AN AUTHORISATION CERTIFICATE

To

The State Transport Authority

I/We the undersigned, hereby apply for the grant of an Authorisation Certificate valid throughout the territory of India/in the State of
(Here, write the names of the States applicable).

1. Name of the applicant(s) in full
(starting with surname, if any)
2. Name of father or husband
(in the case of an individual)
3. Complete address
4. Registration mark of the motor vehicle
5. Engine number of the motor vehicle
6. Chassis number of the motor vehicle
7. Original permit number of the motor vehicle.
8. Permit issuing authority of the motor vehicle
9. Make of the motor vehicle
10. Registered laden weight of the motor vehicle.
11. Unregistered laden weight of the motor vehicle.
12. Particulars of the Certificate of Recognition from Deptt. of Tourism, Government of India (Copy to be attached)
13. Year of manufacture of the motor vehicle.
14. Period for which the authorisation is sought From.....*.....to.....
15. I/We enclose Bank Drafts as described hereunder towards payment of the authorisation fee :—

| Name of the State | Amount paid | Particulars of Bank Draft and Date | Date of payment |
|-------------------|-------------|------------------------------------|-----------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |

Signature or thumb impression
of applicant(s)

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

Second Schedule

[See rule 4(2)]

AUTHORISATION CERTIFICATE

This authorisation Certificate is valid throughout the States of
 (On the recognised tour circuits
 given below)

1. Name in full—

(Starting with surname, if any)

2. Complete address of holder of the All India Permit for Tourist Transport

3. Registration mark of the motor vehicle

4. Engine number of the motor vehicle

5. Chassis number of the motor vehicle

6. Permit number of the motor vehicle

7. Name of the permit issuing authority

8. Make of the motor vehicle

9. Registered laden weight of the motor vehicle

10. Unladen weight of the motor vehicle

11. Year of manufacture of the motor vehicle.

12. Period of validity of the Authorisation Certificate

From.....to.....

(Seal of the Appropriate Authority)

(Signature of the Appropriate Authority)

(on the Reverse)

Certificate of payment of authorisation fee

| Sl. No. | Name of the | Amount paid | Particulars of Bank Draft and Date | Date of payment | Period for which paid |
|---------|-------------|-------------|------------------------------------|-----------------|-----------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |

Signature and Seal of the
Appropriate Authority

Third Schedule

[See rule 14]

QUARTERLY RETURN

1. Name and complete address of the Permit holder
2. Registration mark of the motor vehicle.
3. Registration number of All India Permit for Tourist Transport Operator as given by Ministry of Tourism (Government of India)

Summary of trips made during the quarter

| Month | Total distance covered in the State of* | Total distance of operation | Remarks |
|-------|---|-----------------------------|---------|
|-------|---|-----------------------------|---------|

*Mention the names of the States applicable.

Signature of the All India Permit holder

Date

Note : In the remarks column, state reasons for low or high running in any particular State or States and any other factors which caused low operation.

FOURTH SCHEDULE

ELIGIBILITY CONDITIONS FOR GRANT OF A CERTIFICATE OF RECOGNITION
AS APPROVED TOUR OPERATOR

[See rule 15(1)]

1. All Applications for recognition shall be addressed to the Director General of Tourism, Transport Bhawan, No. 1, Parliament Street, New Delhi-110001.

2. The following conditions must be fulfilled by the Tour Operator for grant of recognition by Department of Tourism :

- (i) The application for grant of recognition shall be in the prescribed form.
- (ii) The Tour Operator should have a minimum paid-up capital of Rs. 1.00 lakh duly supported by the latest audited balance sheet/Chartered Accountant's certificate.
- (iii) The turn-over in terms of foreign exchange or Indian rupees by the firm from tour operation only should be a minimum of Rs. 5.00 lakhs duly supported by Chartered Accountant's certificate.
- (iv) The Tour Operator has an office under the charge a full time member of their staff, who is adequately trained/experienced in matters regarding transport, accommodation, currency, customs regulations and general information about travel and tourism related services.
- (v) The Tour Operator should have been in operation for a minimum period of one year before the date of application.
- (vi) The Tour Operator will have to be income-tax assessee and should have filed Income Tax return for the current assessment year.

3. The recognition as Approved Tour Operator once granted shall continue unless withdrawn subject to their continuance in this business and their submitting the requisite annual return of Income Tax and other particulars.

4. The Tour Operator will be required to pay a non-refundable one time fee of Rs. 1,000/- while applying for the recognition. The fee will be made payable to the Pay & Accounts Officer, Department of Tourism in the form of a Bank Draft. The fee for recognition of each Branch Office will be Rs. 500/-.

5. Recognition will be granted to the Headquarters Office of Tour Operators. Branch Offices will be approved along with the Headquarters Office or subsequently, provided the particulars of the Branch Offices are submitted to Deptt. of Tourism and accepted by it.

6. The decision of the Department of Tourism, Government of India, in the matter of recognition shall be final. The Government of India may, in their discretion, refuse to recognise any firm or withdraw/withheld at any time recognition already granted without assigning any reason.

7. Tour Operator granted recognition shall be entitled to such incentives and concessions as may be granted by Government from time to time and shall abide by the terms and conditions of recognition as prescribed from time to time by the Department of Tourism, Govt. of India.

THE FIFTH SCHEDULE

APPLICATION FORM FOR RECOGNITION AS APPROVED TOUR OPERATOR

[See rule 15(2)]

1. Name and address of Head Office & Branch Offices.
2. Nature of the firm and the year when the firm was registered or commenced business, with documentary proof.
3. Name of Directors/Partners etc. The details of their interests, if any, in other business may also be indicated.
4. Give particulars of staff employed, their qualifications, experience, salary and length of service with the firm.
5. Name of Bankers (Please attach a reference from your bankers).
6. Name of Auditors. A balance-sheet and Profit & Loss statement pertaining to tour operation business, as prescribed under Company Law, must be submitted by each applicant. These audited statements should be in respect of your establishment for the last completed financial year or for the calendar year immediately preceding the date of submission of your application. Also furnish details of your turnover in the following statement :—

Name and particulars of the Tour Operator concerned :

- (a) Paid up capital
- (b) Loans
 - (i) Secured
 - (ii) Unsecured
- (c) Reserves
- (d) Current liabilities and provision
- (e) Total :
- (f) Fixed assets (excluding intangible assets)
- (g) Investment
- (h) Current Assets
 - (i) Intangible assets
 - (j) Total :.....

NOTES :

- (i) Reserves would include balance of Profit and Loss Account and would exclude taxation reserve.
- (ii) Current liabilities and provisions would include taxation reserve.
- (iii) Current assets would include sundry debts, loans and advances, cash and bank balance.
- (iv) Intangible assets would include goodwill, preliminary expenses, tenancy and business rights, deferred revenue expenditure, accumulated loss etc.

7. Copy of acknowledgement certificate in respect of Income Tax return for the current assessment year should be enclosed.
8. Whether any other activities are undertaken by the firm besides Tour Operation.
9. Member of International Travel organisations.
10. (a) Give details of volume of tourist traffic handled upto the date of application showing foreign and internal tourist traffic separately. Please submit a certificate from Chartered Accountant. This certificate should show the receipts from tour operation only during the financial year or the calendar year immediately preceding the date of submission of your application.
 (b) Clientele : Special tourist groups handled, if any, their size, frequency etc.
 (c) Steps taken to promote domestic tourist traffic and details of the groups handled, if any.
 (d) Special programmes, if any, arranged for foreign tourists.
11. Number of Conferences handled, if any, and the total number of passengers for such Conferences with details of locations etc.
12. Number of incentive tours handled.
13. Please enclose a Demand Draft of Rs. 1,000/- for Head Office and Rs. 500/- for each Branch Office as fee for recognition and mention the D.D. No. date and amount in this column.

Signature of Prop/Partner/
Managing Director.
Rubber Stamp of the firm.

THE SIXTH SCHEDULE
[See rule 15(3)]
CERTIFICATE OF RECOGNITION

No. Date
 Certified that

(Name and Address of the Approved Tourist Transport Operator)
 is recognised by the Department of Tourism, Government of India, New Delhi as an approved Tourist Transport Operator.

Place

Director General (Tourism)

Annexure I

